



बोलीविया और अर्जेंटीना

घाघरा पहनकर अकोंकागुआ चढ़ने वाली रसोइयाँ

वे सालों तक पहाड़ के कैंपों में खाना बनाती रहीं। फिर वे अमेरिका महाद्वीपों की सबसे ऊँची चोटी के लिए निकल पड़ीं।

कहाँ एल आल्टो से अकोंकागुआ

कौन चोलितास एस्कालादोरास, बोलीविया के पर्वतारोहण कैंपों में काम करने वाली आयमारा महिलाएँ

कब 2015 से 2019

4 मिनट में पढ़ें

कहानी

सालों तक बोलीविया की आयमारा महिलाओं का एक समूह एंडीज़ पहाड़ों में ऊँचाई पर काम करता रहा, बर्फ़ के पास, पर कभी चोटी पर नहीं।

वे पहाड़ के कैंपों में पर्वतारोहियों के लिए खाना बनाती थीं या कम ऊँचाई पर सामान ढोती थीं। चोटियों की ओर जाते सैलानियों को देखते-देखते, 2015 के आसपास उनमें से कुछ ने एक सीधा-सा सवाल पूछा: हम क्यों नहीं?

एक खेल जो उनके लिए नहीं था

वे ला पाज़ के पास बसे ऊँचे शहर एल आल्टो में रहती हैं। पर्वतारोहण लंबे समय से विदेशी सैलानियों का खेल रहा था। सामान, गाइड और पार्क की फ़ीस में सैकड़ों डॉलर लग सकते हैं, जो दक्षिण अमेरिका के सबसे ग़रीब देशों में से एक में पहुँच से बहुत दूर है।

फिर भी करीब दर्जन भर महिलाओं ने शुरुआत की, 6,088 मीटर ऊँचे हुआयना पोतोसी से। उनका ज़्यादातर सामान किराए का था और कभी-कभी ख़राब भी। एक संस्थापक, लिता गोंज़ालेस, ने 2025 में यूनेस्को को बताया कि वे मोटरसाइकिल के हेलमेट पहनकर ऊपर गईं और फिर भी चढ़ीं।

घाघरा

वे पोयेरा पहनकर चढ़ीं, यह मोटा, कई परतों वाला घाघरा है जिसे एल आल्टो और ला पाज़ की बहुत-सी महिलाएँ पहनती हैं। चोलिता शब्द लंबे समय तक एक ग़ाली की तरह इस्तेमाल होता था, और उन जैसी महिलाओं ने सालों तक भेदभाव झेला।

तब 30 साल की आना लिया गोंज़ालेस के लिए यह घाघरा उनकी दादी, उनके शहर और एक संघर्ष की निशानी था।

हमने यह सब चोलिता पोशाक पहनकर किया, क्योंकि यह हमारे लिए गर्व की बात है।

आना लिया गोंज़ालेस, Alpinist पत्रिका से, 2019

6,088 मी

हुआयना पोतोसी, उनकी
पहली चोटी

6,962 मी

अकोंकागुआ, उनका लक्ष्य

120 किमी/घं

बेस कैम्प पर हवा की
रफ़्तार

हवा के थमने का इंतज़ार

जनवरी 2019 में उनमें से पाँच अर्जेन्टीना के अकोंकागुआ गईं, जो अमेरिका महाद्वीपों का सबसे ऊँचा पहाड़ है: गोंज़ालेस, उनकी माँ दोरा मागेन्यो, लिदिया हुआयलास, एलेना किस्पे और सेसिलिया युस्को। स्पेन के फ़िल्मकारों ने एक गाइड का खर्च उठाया और चढ़ाई को फ़िल्माया।

एक तूफ़ान ने उन्हें बेस कैम्प पर रोक दिया। हर दिन पर्वतारोही हारे हुए और पाले से झुलसे हुए नीचे लौटते थे। 120 किलोमीटर प्रति घंटे की हवाओं की आदत न होने से गोंज़ालेस की हिम्मत टूटने लगी।

तो उन्होंने वही किया जो उनकी दादी ने सिखाया था। उन्होंने पहाड़ की आत्माओं से इजाज़त माँगने के लिए कोका की पत्तियों और शराब की भेंट ज़मीन में गाड़ी।

फिर मौसम खुल गया। Alpinist के अनुसार गोंज़ालेस और एलेना किस्पे चोटी तक पहुँचीं और बोलीविया का झंडा और विफ़ाला ऊपर उठाया। बाकी तीन, गोंज़ालेस की माँ समेत, चोटी के पास से लौट आईं, क्योंकि सुरक्षित आगे बढ़ने के लिए बहुत देर हो रही थी।

दूसरे मीडिया में पाँचों महिलाओं को चोटी पर बताया गया है, इसलिए विवरणों में अंतर है।

गोंज़ालेस के मन में मिली-जुली भावनाएँ थीं: “मैं खुश हूँ कि सपना पूरा हुआ, और दुखी हूँ कि हम सब साथ वहाँ नहीं पहुँच पाई।” कुछ दिन बाद ला पाज़ हवाई अड्डे पर लोगों ने उनके लिए तालियाँ बजाई।

Alpinist कहता है कि तब से उनकी तस्वीरों ने और बोलीवियाई लोगों को पर्वतारोहण आजमाने की प्रेरणा दी है। उनमें से कुछ महिलाएँ अब एवरेस्ट का सपना देखती हैं।

कब क्या हुआ

- **2005** आयमारा समुदाय के एवो मोरालेस बोलीविया के राष्ट्रपति चुने जाते हैं।
- **2015** महिलाएँ हुआयना पोतोसी से चढ़ाई शुरू करती हैं।
- **2017** वे इलिमानी पर चढ़ती हैं।
- **2018** वे सहामा पर चढ़ती हैं।
- **2019** वे अकोंकागुआ जाती हैं। गोंज़ालेस और किस्पे चोटी पर पहुँचती हैं।

दूसरा अध्याय

यह कहानी खास क्यों है

पहाड़ के कैंपों में रसोइया और कुली बस पृष्ठभूमि का हिस्सा होते हैं। ये महिलाएँ उस पृष्ठभूमि से निकलकर पहाड़ पर चढ़ गईं, वे कपड़े उतारे बिना जिनकी वजह से कभी लोग उन्हें नीची नज़र से देखते थे।

यह एक ईमानदार कहानी भी है। हर कोई चोटी तक नहीं पहुँचा, और पर्वतारोही खुद यह बात कहती हैं।

हमारी राय

घाघरा कभी रुकावट नहीं था। रुकावट थी उसके इर्द-गिर्द का शक। उसे पहने रहकर इन महिलाओं ने बिना भाषण दिए अपनी बात कह दी।

तीसरा अध्याय

हम क्या सीख सकते हैं

1 जो पहले से जानते हैं, वहीं से शुरू करें

इन महिलाओं ने सालों पहाड़ों के पास काम किया था, और वही अनुभव उनकी नींव था।

यह आजमाएँ: आपकी मौजूदा नौकरी ने आपको जो तीन हुनर सिखाए, उन्हें लिखें। उनमें से एक का इस्तेमाल उस काम में करें जो आप सच में करना चाहते हैं।

2 जिस पर गर्व है, उसे थामे रहें

उन्होंने उस खेल में फिट होने के लिए अपने कपड़े नहीं बदले जिसने उनका स्वागत नहीं किया था।

यह आजमाएँ: अपने परिचय, अपनी पिच या अगली मीटिंग में अपनी पृष्ठभूमि का एक सच्चा हिस्सा जोड़ें।

3 पहले छोटा पहाड़ चढ़ें

पहले हुआयना पोतोसी, फिर इलिमानी और सहामा, और उसके बाद ही अर्कोकागुआ।

यह आजमाएँ: अपने बड़े लक्ष्य से पहले का एक छोटा पड़ाव चुनें और इस हफ्ते उसकी तारीख तय करें।

4 मौसम के लिए योजना बनाएँ

उन्होंने खुद को ढलने के लिए दस दिन दिए, और फिर बेस कैंप पर तूफान थमने का इंतज़ार किया।

यह आजमाएँ: अपनी किसी एक समय-सीमा में कुछ अतिरिक्त दिन जोड़ें, ताकि देरी नाकामी न बन जाए।

5

लौटने का समय पहले से तय करें

तीन पर्वतारोही चोटी के पास से लौट आई, क्योंकि देर हो चुकी थी।

यह आजमाएँ: किसी एक जोखिम भरे फ़ैसले के लिए, शुरू करने से पहले लिख लें कि आप किस बिंदु पर रुक जाएँगे।

साथ ले जाने वाली एक बात

पहाड़ ने कभी नहीं पूछा कि उन्होंने क्या पहना है।

स्रोत (अंग्रेज़ी में)

Alpinist

[“Cholitas Escaladoras” summit Aconcagua and make history for Indigenous women](#)

AFAR

[Bolivia’s History-Making Indigenous Climbers, in Photos](#)

UNESCO

[From the Pollera to Aconcagua: The Cholitas Escaladoras Brought Their Story to UNESCO](#)

तथ्य-जाँच नोट: कई बातों पर स्रोतों में मतभेद है। Alpinist कहता है कि गोंज़ालेस और किस्पे चोटी पर पहुँचीं जबकि तीन लौट आई; AFAR और दूसरे मीडिया कहते हैं कि पाँचों चोटी पर पहुँचीं। चोटी पर पहुँचने की तारीख 23 जनवरी (AFAR) या 24 जनवरी (Alpinist) बताई गई है। समूह का आकार करीब दर्जन भर या ग्यारह बताया गया है, और शुरुआत 2014 या 2015। Alpinist कहता है कि स्पेन के फ़िल्मकारों ने गाइड वाली चढ़ाई का खर्च उठाया; दूसरी खबरें बोलीविया के एक मंत्रालय को श्रेय देती हैं। यात्रा का ब्योरा (हवा, कोका की पत्तियों की भेंट, फुटबॉल) Alpinist के गोंज़ालेस से इंटरव्यू से है। यूनेस्को लिता गोंज़ालेस को संस्थापक बताता है; हमने पुष्टि नहीं की है कि वे और आना लिया गोंज़ालेस एक ही व्यक्ति हैं या नहीं। “हमारी राय” वाली पंक्तियाँ हमारी अपनी व्याख्या हैं। बाकी सब ऊपर दिए स्रोतों से है।